5 (ii) प्रस्तावना व इसके आवश्यकता उपस्थित नहीं।
वाद - में आवश्यक जाति वहां (कोई उपस्थित
नहीं। अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था का प्रतिमा पर
दोनों की अनुसूचियों में आदर्श हजारों के
भारत देश की समाहित किया जाता है
प्रस्तावना की केवल सुभाष होकर रामचन्द्र से
कारण है तथा यह सामाजिक (प्रमाण) वह है।